www.prepp.in

prepp
Your Personal Exams Guide

UPSC CSE 2018 MAINS PAPER 6 OCTOBER 07, 2018 PHILOSOPHY OPTIONAL PAPER - I QUESTION PAPER

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–I)

समय : तीन घण्टे | अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम से कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

PHILOSOPHY (PAPER-I)

Time Allowed : Three Hours | Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

Write short answers to the following in about 150 words each : 10×5=50

(a) क्या ह्यूम के लिए इन दो सत्यों—'कल सूर्योदय होगा' एवं '2+2=4' में समान अनिवार्यता है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

Are the two truths—'The Sun will rise tomorrow' and '2+2=4' of the same necessity for Hume? Give reasons in favour of your answer.

(b) लाइबनित्ज़ जब 'पूर्व-स्थापित सामंजस्य' की बात करते हैं, तब उनके दर्शन में स्वतन्त्रता के लिए कोई स्थान है क्या? विवेचन कीजिए।

Is there any place for freedom in Leibniz's philosophy, when he speaks of 'pre-established harmony'? Discuss.

(c) 'भाषा एक खेल है' इसके अनुमोदन में 'कुल-साम्य' की संकल्पना विट्गेन्स्टाइन की कैसे सहायता करती है? विवेचन कीजिए।

How does the notion of 'family resemblance' help Wittgenstein to uphold that 'Language is a game'? Discuss.

(d) सार्त्र अप्रामाणिकता का आत्मप्रवंचना से कैसे सम्बन्ध स्थापित करता है? सार्त्र यह क्यों दर्शाते हैं कि अप्रामाणिकता एवं आत्मप्रवंचना विसम्बन्धन की ओर ले जाते हैं? विवेचन कीजिए।

How does Sartre connect inauthenticity with bad faith? Why does Sartre show that inauthenticity and bad faith lead to alienation? Discuss.

(e) स्ट्रॉसन अपने दर्शन में व्यक्ति (पर्सन) की संकल्पना की व्याख्या किस प्रकार करता है? विवेचन कीजिए।

How does Strawson explain the concept of person in his philosophy? Discuss.

2. (a) डेकार्ट, स्पिनोज़ा और लाइबनित्ज़ की द्रव्य की परिभाषाओं एवं वर्गीकरणों में भिन्नता का क्या कारण है, इस तथ्य के बावजूद कि वे सभी बुद्धिवादी सम्प्रदाय से सम्बद्ध रहे हैं? विवेचन कीजिए।

What is the reason for the difference in the definitions and classifications of substances made by Descartes, Spinoza and Leibniz in spite of the fact that they all belonged to the rationalist school of thought? Discuss. 20

(b) 'बुद्धि प्रकृति का निर्माण करती है', काण्ट की इस अभ्युक्ति के महत्त्व की व्याख्या कीजिए। इस बात से आप कहाँ तक सहमत हैं कि हेगेल का निरपेक्षवाद, काण्ट के द्वैतवाद की पराकाष्ठा है? विवेचन कीजिए। अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

Explain the significance of the Kantian dictum, 'Understanding makes Nature'. How far do you agree that Hegel's Absolutism is the culmination of the Kantian Dualism? Discuss. Give reasons in favour of your answer. 15

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

(c) क्वाइन कैसे दर्शाता है कि कान्ट द्वारा निर्दिष्ट प्रागनुभविक ज्ञान का अभिप्राय 'तत्त्वमीमांसीय आस्था का एक विषय' है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

How does Quine show that the notion of *a priori* knowledge as discussed by Kant is 'a metaphysical article of faith'? Give reasons for your answer. 15

3\. (a) बर्कले यह कैसे स्थापित करता है कि केवल मन एवं इसके विचार ही वास्तविक हैं? मूर एवं रसेल, बर्कले के इस मत की कैसे प्रतिक्रिया करते हैं? मूर एवं रसेल की इस प्रतिक्रिया में क्या आपको कोई भिन्नता मिलती है? विवेचन कीजिए।

How does Berkeley establish that Mind and its ideas alone are real? How do Moore and Russell react to Berkeley's view in this regard? Do you find any difference between Moore's reaction and Russell's one? Discuss. 20

(b) तार्किक प्रत्यक्षवादी यह कैसे दर्शाते हैं कि तत्त्वमीमांसीय कथन निरर्थक हैं? क्या उनकी अर्थ के सत्यापन की थियोरी सभी वैज्ञानिक कथनों की सार्थकता हेतु मान्य हो सकती है? विवेचन कीजिए।

How do the logical positivists show that metaphysical sentences are meaningless? Can their verification theory of meaning account for the meaningfulness of all scientific sentences? Discuss. 15

(c) दर्शन की अधिकतर निर्णायक समस्याओं के बोध के लिए एकमात्र मार्ग के रूप में विट्गेन्स्टाइन 'जो कहा जा सकता है' और 'जिसे दिखाया जा सकता है' में कैसे भेद करता है? क्या वह औचित्यपूर्ण है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

How does Wittgenstein apply the distinction between 'saying' and 'showing' to point to a single way of apprehending the most decisive problems of philosophy? Is he justified? Give reasons for your answer. 15

4\. (a) अनाबन्धन (इपोखे) क्या है? हाइडेगर फेनोमिनोलॉजिकल (फेनॉमिनॉलॉजिकल) अपचयन की इस विधि को कैसे अस्वीकृत करता है? अनुभवातीत अहम् की संकल्पना के विरुद्ध हाइडेगर की 'जगत् में होना' की संकल्पना की व्याख्या कीजिए।

What is *Epoché* ? How does Heidegger reject this method of phenomenological reduction? Explain Heidegger's concept of 'being in the world' as opposed to the concept of a transcendental ego 20

(b) क्या प्लेटो के प्रत्यय एवं जगत् के बीच सम्बन्ध की व्याख्या तार्किक रूप से सुसंगत है? इसके सम्बन्ध में अरस्तू के विचारों की विवेचना कीजिए एवं अपने उत्तर के पक्ष में तर्क भी दीजिए।

Is the relation between the Idea and the World as discussed by Plato logically consistent? Discuss Aristotle's views regarding this and also give arguments in favour of your answer. 15

(c) रसेल की निश्चायक वर्णन की थियोरी, उसके तार्किक परमाणुवाद से कैसे सम्बन्धित है? विवेचन कीजिए और अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए

How is Russell's theory of definite description related to his Logical Atomism? Discuss and give reasons for your answer. 15

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

खण्ड—B / SECTION—B

5\. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

Write short answers to the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) वैशेषिक दार्शनिक इन दो मामलों—*(i)* टेबल का भूरा (ब्राउन) रंग और *(ii)* टेबल पर पुस्तक, के बीच सम्बन्धों की भिन्नता की व्याख्या कैसे करते हैं? विवेचन कीजिए।

How do the Vaiśeṣika philosophers explain the difference of the relationships in the two cases—*(i)* the brown colour of the table and *(ii)* the book on the table? Discuss.

(b) माध्यमिक बौद्ध अपने 'शून्यता' सिद्धान्त की स्थापना के लिए 'प्रतीत्यसमुत्पाद' सिद्धान्त का किस प्रकार अनुप्रयोग करते हैं? विवेचन कीजिए।

How do the Mādhyamika Buddhists apply the notion of *Pratītyasamutpāda* to establish their doctrine of *Śūnyata*? Discuss.

(c) अद्वैत वेदान्त दर्शन में 'ब्रह्म' की अवर्णनीयता (अनिर्वचनीयता) एवं 'माया' की अवर्णनीयता (अनिर्वचनीयता) में क्या भेद है? विवेचन कीजिए।

What is the difference between the indescribability (*Anirvacanīyatā*) of *Brahman* and the indescribability (*Anirvacanīyatā*) of *Māyā* in the Advaita Vedānta system? Discuss.

(d) बौद्ध एवं न्याय दार्शनिक, 'टेबल पर जार की अनुपस्थिति है', हमारे इस ज्ञान की व्याख्या किस प्रकार करते हैं? विस्तृत उत्तर दीजिए।

How do the Buddhists and the Nyāya philosophers explain our knowledge of 'the absence of the jar on the table'? Answer in detail.

(e) 'पुरुष' एक है या अनेक? इस सम्बन्ध में सांख्यसम्मत स्थिति की व्याख्या कीजिए एवं अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए।

Is *Puruṣa* one or many? Explain the Sāṁkhya position in this regard and give arguments in support of your answer.

6\. *(a)* नैयायिक ईश्वर के अस्तित्व को कैसे सिद्ध करते हैं? क्या योग दार्शनिक ईश्वर को इसी प्रकार सिद्ध करते हैं? यदि हाँ, तो कैसे? और यदि नहीं, तो क्यों? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

How do the Naiyāyikas prove the existence of God? Do the Yoga philosophers prove God in the same way? If yes, how? And if no, why? Give reasons for your answer. 20

(b) बौद्ध के लिए 'नैरात्म्यवाद' एवं 'निर्वाण' दोनों सिद्धान्तों को एक साथ स्वीकार करना क्या सुसंगत है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

Is it consistent for the Buddhists to admit the theory of *Nairātmyavāda* and the doctrine of *Nirvāṇa* simultaneously? Give reasons in favour of your answer. 15

Prepp
Your Personal Exams Guide

(c) जैन दार्शनिक 'बन्धन' की व्याख्या कैसे करते हैं? उनके अनुसार 'मुक्तात्मा' एवं 'बद्धात्मा' में क्या भिन्नता है? 'मुक्तात्मा' की अवस्था के विषय में जैनियों का क्या विचार है? विवेचन कीजिए।

How do the Jaina philosophers explain 'bondage'? What, according to them, is the distinction between 'liberated soul' and 'bound soul'? What do the Jainas think about the condition of the 'liberated soul'? Discuss. 15

7\. (a) 'विशिष्टाद्वैत', 'द्वैत', 'शुद्धाद्वैत' एवं 'अचिन्त्यभेदाभेद' दर्शनों में पाई जाने वाली 'मोक्ष' की संकल्पना का एक तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए।

Give a comparative exposition of the concept of *Moksa* as found in the systems of *Visistadvaita*, *Dvaita*, *Suddhadvaita* and *Acintyabhedabheda*. 20

(b) अद्वैत वेदान्ती सांख्य दर्शन के 'प्रकृतिपरिणामवाद' की कैसे प्रतिक्रिया करता है? इस सम्बन्ध में सांख्य दर्शन अपनी स्थिति का किस प्रकार बचाव करते हैं? विवेचन कीजिए।

How do the Advaita Vedantins react to the *Prakrtiparinamavada* of the Sāmkhya philosophy? How do the Sāmkhyas defend their own position in this regard? Discuss 15

(c) शंकर द्वारा प्रतिपादित 'माया' के सिद्धान्त का रामानुज कैसे खण्डन करते हैं? रामानुज एवं शंकर दोनों को अपने-अपने सिद्धान्तों की स्थापना के लिए 'माया' की क्यों आवश्यकता है? विवेचन कीजिए।

How does Ramanuja refute the doctrine of *Maya* as propounded by Śankara? Why is Maya needed by both Ramanuja and Śankara to establish their doctrines? Discuss. 15

8\. (a) क्या 'स्वयंप्रकाशवाद' की स्वीकृति अनिवार्यतः 'स्वतःप्रामाण्यवाद' की स्वीकृति उत्पन्न करती है? इस सन्दर्भ में नैयायिकों, मीमांसकों एवं अद्वैत वेदान्तियों के मतों का वर्णन कीजिए।

Does the admission of *Svayamprakasavada* necessarily lead to the admission of *Svatahpramanyavada*? Discuss after the Naiyāyikas, the Mīmāmsakas and the Advaita Vedantins. 20

(b) क्या चार्वाक द्वारा अनुमान का खण्डन अन्य भारतीय दर्शन-सम्प्रदायों को स्वीकार है? यदि नहीं, तो क्यों? क्या आपके विचार में अन्य सम्प्रदायों के विचार औचित्यपूर्ण हैं? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

Is Cārvāka rejection of inference acceptable to the other systems of Indian philosophy? If not, why? Do you think the views of other systems to be justified? Give reasons for your answer. 15

(c) श्रीअरविन्द के अनुसार विकास क्या है? उनके दर्शन में वर्णित त्रिविध रूपान्तरण के प्रक्रम और प्रज्ञानी प्राणी के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

What is Evolution according to Sri Aurobindo? Describe the process of triple transformation and the nature of gnostic being in his philosophy. 15

* * *